

ज्ञानी हो या वो मूरख गँवार,
आए गुरु दर जो एक बार,
करते मेहरबानी है,
मेरे गुरुदेवा,
करते मेहरबानी है,
मेरे गुरुदेवा ॥

तर्ज आने से उसके आए बहार ।

मन करेगा सुमिरन,
गुरुवाणी को चित में जो लाए,
करके दया गुरुवर फिर,
नाम जपने की युक्ती बताए,
सँतो की वाणी है,
ऐसे महादानी है,
मेरे गुरुदेवा,
करते मेहरबानी है,
मेरे गुरुदेवा ॥

जो ध्यान करे सतगुरु का,
भव बँधन से सतगुरु छुड़ाए,
डूबे न उसकी नइया,
पार जिसको गुरु खुद कराए,
नाव वही पतवार वही,
वो ही भव का पानी है,

मेरे गुरुदेवा,
करते मेहरबानी है,
मेरे गुरुदेवा ॥

जो नाम निरंतर ध्यावे,
निश्चय ही चरण रज वो पावे,
गुरुदेव दया से प्राणी,
अपना सोया नसीबा जगाए,
जनम जनम के रोग मिटे,
महा कल्याणी है,
मेरे गुरुदेवा,
करते मेहरबानी है,
मेरे गुरुदेवा ॥

ज्ञानी हो या वो मूरख गँवार,
आए गुरु दर जो एक बार,
करते मेहरबानी है,
मेरे गुरुदेवा,
करते मेहरबानी है,
मेरे गुरुदेवा ॥

भजन लेखक एवं प्रेषक
श्री शिवनारायण वर्मा,
मोबा.न.8818932923

वीडियो उपलब्ध नहीं ।

Source: <https://www.bharattemples.com/karte-meharbani-hai-mere-gurudeva/>



Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw>